Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस राज्य में लोकताक झील स्थित है?

(अ) मणिपुर (ब) राजस्थान
(स) उत्तराखंड (द) केरल

2. पुरानी जलोढ़ मिट्टी को कहते हैं-

(अ) बाँगर (ब) खादर
(स) करेवा (द) भाभर

3. श्रीनगर किस नदी के किनारे पर स्थित है?

(अ) चेनाब नदी (ब) व्यास नदी
(स) झेलम नदी (द) सिंधु नदी

4. निम्न में से कौन सी नदी डेल्टा का निर्माण नहीं करती है?

(अ) गोदावरी (ब) महानदी
(स) कृष्णा (द) नर्मदा

5. उत्तराखंड में लघु हिमालय को कहा जाता है-

(अ) कयाल (ब) नागतीभा
(स) करेवा (द) धौलाधर

6. हिमालय श्रेणी का विस्तार किस दिशा से किस दिशा की ओर है?

(अ) दक्षिण से उत्तर की ओर (ब) उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूरब
(स) उत्तर से दक्षिण की ओर (द) उत्तर पूरब से दक्षिण पश्चिम

7. सिंधु गंगा ब्रह्मपुत्र मैदान का निर्माण कब हुआ माना जाता है?

(अ) 6.4 करोड़ वर्ष पहले (ब) 46 करोड वर्ष पहले
(स) 64 करोड वर्ष पहले (द) 4.6 करोड़ वर्ष पहले

8. भूवैज्ञानिक संरचना व शैल समूह की भिन्नता के आधार पर भारत को कितने भूवैज्ञानिक खंडों में विभाजित किया जाता है?

(अ) 4 भूखंडों में (ब) 3 भूखंडों में
(स) 5 भूखंडों में (द) 7 भूखंडों में

9. करेवा भूआकृति कहाँ पाई जाती है?

(अ) हिमाचल-उत्तरांचल हिमालय (ब) कश्मीर हिमालय
(स) उत्तरी-पूर्वी हिमालय (द) पूर्वी हिमालय

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. निम्नलिखित में से कौन-सा पर्वत प्राचीन काल का है?

(अ) शिवालिक (ब) सतपुड़ा

(स) हिमाद्रि (द) कंचनजंघा

रिक्त स्थान

11. हिमालय के तीन मुख्य भाग हैं : हिमाद्रि, हिमाचल और _____।

12. द्वीपसमूह क्षेत्र अंडमान-निकोबार और _____ द्वीपों से मिलकर बना है।

सत्य/असत्य

13. कर्क रेखा भारत के उत्तर भारत से होकर गुजरती है।

14. शिवालिक हिमालय सबसे नवीन और कमजोर पर्वत श्रेणी है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. नदी घाटी और दून में अंतर स्पष्ट करें।

16. पश्चिमी तटीय मैदान पर कोई डेल्टा क्यों नहीं है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. पूर्वी पहाड़ियों के बारे में व्याख्या करें।

18. विंध्य श्रेणी और पश्चिमी घाट में अंतर स्पष्ट करें।

निबंधात्मक प्रश्न

19. मध्यवर्ती उच्च भूमियों के विशिष्ट लक्षणों का वर्णन कीजिए।

20. हिमालय की निर्माण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

HOTS

21. अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीप समूहों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(अ)** मणिपुर

2. **(अ)**
यह मैदान पुरानी जलोढ़ मिट्टी का बना होता है जहां नदियों की बाढ़ का जल नहीं पहुंचता है।

3. **(स)**
श्रीनगर झेलम नदी के किनारे पर स्थित है।

4. **(द)**
नर्मदा नदी पश्चिम की ओर बहती हुई अरब सागर में गिरती है और डेल्टा का निर्माण नहीं करती जबकि उपरोक्त तीनों नदियां पूरब की ओर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है और डेल्टा का निर्माण करती है।

5. **(ब)**
हिमालय की तीनों मुख्य पर्वत श्रंखलाएँ, बृहत हिमालय, लघु हिमालय; जिन्हें हिमाचल में धौलाधार और उत्तरांचल में नागतीभा कहा जाता है और उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली शिवालिक श्रेणी, इस हिमालय खंड में स्थित हैं।

6. **(ब)**
भारत की यह पर्वतमाला उत्तर पश्चिम दिशा में सिंधु नदी के मोड़ से प्रारंभ होकर दक्षिण पूरब दिशा में ब्रह्मपुत्र नदी के मोड़ तक फैली है।

7. **(अ)**
यह मैदान एक भू अभिनति गर्त है जिसका निर्माण हिमालय पर्वत माला निर्माण प्रक्रिया के तीसरे चरण में लगभग 6.4 करोड़ वर्ष पहले हुआ माना जाता है।

8. **(ब)**
भारत को 3 भूवैज्ञानिक खंडों में विभाजित किया जाता है।
   i. प्रायद्वीपीय खंड
   ii. हिमालय और प्रायद्वीपीय पर्वत मालाएं
   iii. सिंधु गंगा ब्रह्मपुत्र मैदान

9. **(ब)** कश्मीर हिमालय

10. **(ब)**
सतपुड़ा श्रृंखला भारतीय प्रायद्वीप की एक पुरानी पर्वत श्रृंखला है जो प्राचीन चट्टानों से बनी है।

11. शिवालिक

12. लक्षद्वीप

13. सत्य

14. असत्य

15. नदी घाटी और दून में निम्नलिखित अंतर है :

नदी घाटी	दून
नदी घाटी, जिसे नदी बेसिन भी कहा जाता है, एक निचला क्षेत्र होता है जो एक नदी या जलधारा द्वारा कटाव के कारण बनता है।	मध्य हिमालय व महान हिमालय के बीच पाई जाने वाली घाटियों को "दून" कहते हैं। जैसे- देहरादून, कोटलीदून।

16. पश्चिमी तटीय मैदान पर कोई डेल्टा नहीं है क्योकि भारत के पश्चिमी भागों में बहने वाली नदियों की ढाल काफी तेज होती है, इसलिए ये नदियाँ अपने मुहाने पर अनेक भागों में न बहकर एक भाग में बहती हैं। अर्थात ये नदियाँ ज्वारनदमुख बनाती डेल्टा नहीं बनाती हैं। इसलिए पश्चिमी तटीय मैदान पर कोई भी डेल्टा नहीं है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

17. पर्वत या पहाड़ पृथ्वी की भू-सतह पर प्राकृतिक रूप से ऊँचा उठा हुआ हिस्सा होता है, जो ज़्यादातर आकस्मिक तरीके से उभरा होता है और पहाड़ी से बड़ा होता है। हिमालय पर्वत श्रृंखला की पूर्वी पहाड़ियों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम है। हिमालय पर्वत के इस भाग में पहाड़ियों की दिशा उत्तर से दक्षिण है। पर्वतीय एवं पहाड़ी क्षेत्र में वायु परिवहन यातायात का एक महत्वपूर्ण साधन है। ये पहाड़ियाँ विभिन्न स्थानीय नामों से जानी जाती हैं। ये उत्तर में पटकाई बूम, नागा पहाड़ियाँ, मणिपुर पहाड़ियाँ और दक्षिण में मिज़ो या लुसाई पहाड़ियों के नाम से जानी जाती हैं। यह नीची पहाड़ियों का क्षेत्र है, जहाँ अनेक जनजातियाँ 'झूम' या स्थानांतरी खेती करती है। यहाँ ज़्यादातर पहाड़ियाँ, छोटे-बड़े नदी-नालों द्वारा अलग होती हैं। बराक मणिपुर और मिज़ोरम की एक मुख्य नदी है। मणिपुर घाटी के मध्य एक झील स्थित है, जिसे 'लोकताक झील' कहा जाता है और यह चारों ओर पहाड़ियों से घिरी है। मिज़ोरम जिसे 'मोलेसिस बेसिन' भी कहा जाता है। मृदुल और असंगठित चट्टानों से बना है।

18. विंध्य श्रेणी और पश्चिमी घाट में निम्नलिखित अंतर है :-

विंध्य श्रेणी	**पश्चिमी घाट**
विंध्य श्रेणी पूर्व से पश्चिम फैली श्रेणी है।	भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पर्वत श्रृंखला को पश्चिमी घाट या सह्याद्रि कहते हैं।
विंध्य श्रेणी नर्मदा घाटी के साथ-साथ फैली हुई है। विंध्याचल पर्वत श्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है।	पश्चिमी घाट अरब सागर के तट के साथ-साथ फैला हुआ है।
इसका निर्माण बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, क्वार्ट-जाइट और शैल से हुआ है।	उत्तरी भाग में सहयाद्रि का निर्माण लावा की क्षैतिज चादरों से हुआ है।

19. उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वत श्रेणी तथा दक्षिण में विंध्य के कगार से सीमांकित पहाड़ी प्रदेश की चौड़ी पट्टी को मध्यवर्ती उच्च भूमि कहते हैं। इसकी दक्षिणी सीमा पर नर्मदा की भ्रंश घाटी है। इन उच्च भूमियों में मध्य प्रदेश का आधा, राजस्थान का एक-तिहाई तथा उत्तर प्रदेश का थोड़ा-सा भाग शामिल है। यह पूरा-का-पूरा प्रदेश वनाच्छादित है। इसमें अधिकतर गोंड, संथाल, उराँव और भील नाम की जनजातियाँ रहती हैं। अरावली पर्वत श्रेणी, पूर्वी राजस्थान की उच्च भूमि, मध्य भारत का पठार, बुदेलखंड की उच्च भूमि, मालवा का पठार, विंध्य की कगारी भूमि, विंध्य श्रेणी और नर्मदा घाटी इसी प्रदेश के अंश हैं। इनमें से प्रथम चार उत्तरी उच्च भूमि के भाग है तथा अंतिम चार दक्षिण उच्च भूमि के हैं। अरावली के पूर्व के क्षेत्र की ऊँचाई 250 मीटर से लेकर 500 मीटर तक है। इसे पूर्वी राजस्थान की उच्च भूमि कहते हैं। चंबल और बनास नदियाँ ही मुख्य रूप से इस क्षेत्र का जल बहाकर ले जाती हैं। चंबल के पूर्व की भूमि चट्टानी हैं तथा यह सघन वनों से ढकी हैं। इसका नाम मध्य भारत का पठार है। इस बलुआ पत्थर वाली उच्च भूमि की मुख्य नदी चंबल है। बुंदेलखण्ड की उच्चभूमि. यमुना और विंध्य की कगारी भूमि के बीच विस्तृत है। यह क्षेत्र 100 से लेकर 300 मीटर तक ऊँचा है। यह उच्च भूमि पुराना अपरदित धरातल है, जिसका निर्माण ग्रेनाइट से हुआ है। मध्य भारत पठार और विंध्य श्रेणी के मध्य लावा निर्मित विस्तृत पठार है। इसे मालवा का पठार कहते हैं तथा यहाँ काली मिट्टी पाई जाती है। इस पठार के दक्षिण में विंध्याचल पर्वत श्रेणी है। यह नर्मदा नदी के समांतर फैली है। इसका निर्माण बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, क्वार्टजाइट और शैल से हुआ है। इसके उत्तरी-पूर्वी भाग में कगारी भूमि की स्थलाकृतियाँ हैं। इसे विंध्य की कगारी भूमि (कैमूर की पहाड़ियाँ) कहते हैं। मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणतम भाग नर्मदा का संरचनात्मक गर्त है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसा चाहें
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

20. हिमालय पर्वत का निर्माण भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हुआ है। लगभग 50 मिलियन वर्ष पहले, भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट की ओर खिसकना शुरू हुई और दोनों प्लेटों के बीच मौजूद टेथिस सागर के अवसाद ऊपर उठने लगे। यह टकराव इतना शक्तिशाली था कि इसने पृथ्वी की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला, हिमालय को जन्म दिया। भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे खिसक गई, जिससे टेथिस सागर के अवसाद ऊपर उठने लगे। यह प्रक्रिया लाखों वर्षों में हुई, और इसके परिणामस्वरूप हिमालय के कई समानांतर पर्वत श्रृंखलाओं का निर्माण हुआ, जिनमें महान हिमालय, लघु हिमालय, और शिवालिक शामिल हैं। हिमालय के निर्माण में भूकंपों, भूस्खलनों और अन्य प्राकृतिक प्रक्रियाओं का भी योगदान रहा है। हिमालय का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, और आज भी, भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट की ओर खिसक रही है, जिससे हिमालय धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

21. **अरब सागर के द्वीप -** अरब सागर के द्वीपों में लक्षद्वीप और मिनिकॉय हैं। ये केरल तट से 280 किलोमीटर से 480 किलोमीटर दूर स्थित है। अरब सागर में कुल 36 द्वीप है जबकि बंगाल की खाड़ी में 572 द्वीप हैं। अरब सागर के द्वीप 8° उत्तर से 12° उत्तर और 71° पूर्व से 74° पूर्व के बीच बिखरे हुए हैं।

बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीप - बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीप समूह अंडमान निकोबार द्वीप समूह है। लक्षद्वीप और मिनिकॉय का निर्माण प्रवाल निक्षेप से हुआ है जबकि अंडमान निकाब्र द्वीप समूह समुद्र में जलमग्न पर्वतों का हिस्सा है। कुछ छोटे द्वीपों की उत्पत्ति ज्वालामुखी के उद्गार से भी हुई है। बंगाल की खाडी के द्वीप 6° उत्तर से 14° उत्तर और 92° पूर्व से 94° पूर्व के बीच स्थित हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES